

**फर्द अहकाम**

बनाम श्री...

नाम न्यायालय ...

केस संख्या ...

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विरत रूप से
	5/3/24	<p>पत्रवली वास्ते ग्राहक पत्र 15/1/24 को                      उद्योगपति 240/1 तहसील का (कोशिका) के                      द्वारा पुनर्विलोकन के लिए दायर किया जा रहा                      जादी का वाद अंतिक (इसी) दिनांक पर                      विद्वान् विनीत हुए कि विद्वान् का यह आग्रह                      पत्रवली ही पत्रवली के अन्तर्गत उद्योग                      दली नेव के अन्तर्गत उद्योग दायर है।                      निर्णय आदेश नं. 10/2/24 से पीलियाप जाकर                      लटे इपलाफ हुगमा जका।</p> <p style="text-align: right;"><u>...</u>                      सहायक कलक्टर                      जयपुर शहर द्वितीय</p>
5/4/24		<p>उद्योग की ओर से पुनर्विलोकन प्र. प्र.                      अन्तर्गत द्वारा 229 साफर का अन्तर्गत अन्तर्गत                      अपेक्षा आदेश 47 नियम 01 का अन्तर्गत अन्तर्गत                      किए आदेश पर पत्रवली अन्तर्गत अन्तर्गत की                      आदेश अन्तर्गत अन्तर्गत नियम की 218/24                      निर्णय में अन्तर्गत नं. 1243/1338-25 का                      0.25 हेक्टेयर अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत                      इका 2.88 हेक्टेयर (अन्तर्गत अन्तर्गत) का                      1/15 हिस्सा) अन्तर्गत समूह 2.13 हेक्टेयर                      में वाद अन्तर्गत का 1/60-1/60 हिस्सा अन्तर्गत                      किया जाना अन्तर्गत हिस्सा अन्तर्गत अन्तर्गत                      अन्तर्गत उद्योग की अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत                      निर्णय का अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत                      अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत                      अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत                      1/15 अन्तर्गत था। अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत</p> <p style="text-align: right;"><u>...</u>                      सहायक कलक्टर                      जयपुर शहर द्वितीय</p>

फर्द अहकाम

रतनलाल बनाम श्रीपीराम वगै.

न्यायालय A(-I)

संख्या शका- 24/2017

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
Contd..	<p>वाडीगण सं. 1 से 4 को 1/4 हिस्से प्रस्तावित डिवाइजिया है जो राजस्व रिकॉर्ड अमावसी से मिन्न है जिसे दुरस्त डिवाइजिया अंकित समझते हैं। लेकिन इस परिवर्तन के वाडीगण का हिस्सा पूर्व आदेश दिनांक 4/12/24 की अपेक्षा कम हो रहा है तथा इसी की अन्वय पत्रिका को कोई अलाभकारी परिवर्तन नहीं हो रहा है। राजस्व रिकॉर्ड का मिलान कर लिया गया है। अतः प्रतिवादीगण का अग्र पत्र स्वीकार किया जाकर पारित अन्तिम निर्णय में प्रस्तावित कुरेजात में अंतरा नंबर 1243/338 अर्थात् 0.25 हेक्टेयर में अर्धेक वाडीगण को 1/4 हिस्से के स्थान पर 1/60 हिस्सा जोफ हिस्सा अफस्तूर व अंतरा नंबर 774 अर्थात् 2.88 हेक्टेयर में अर्धेक वाडीगण को 1/4 हिस्से के स्थान पर 1/60 हिस्सा अंकित कर शेष हिस्सा पूर्वानुसार अंकित किया जाये। उम्मादुल्ला निर्णय व कुरेजात में संशोधन करें। निर्णय आदेश दिनांक 04/4/2024 को अन्वय 2 अलास सुनाया गया।</p>	
	<p><i>(Signature)</i> सहायक कलक्टर जयपुर दितीय</p>	